डॉB लॉयड कैरÆ गीतों का गीतÆ व्याख्यान Č

© 2024 लॉयड कैर और टेड हल्डिब्रांट

गीतों के गीत पर डॉ. लॉयड कैर का यह दूसरा व्याख्यान है। डॉ कैर. कुछ समय पहले हम गीत के बारे में प्राकृतिक व्याख्या में बात कर रहे थे, सोलोमन का गीत, रूपक के रूप में नहीं, रूपक के रूप में नहीं, नाटक के रूप में नहीं, बल्कि केवल कविता के रूप में, प्रेम कविता के रूप में।

और मैं उन दो तत्वों पर गौर करने के लिए अभी कुछ समय लेना चाहता हूं। सबसे पहले, यह कहने का क्या मतलब है कि यह कविता है, और फिर विशेष रूप से प्रेम कविता से हमारा क्या मतलब है और यह विशेष पुस्तक प्राचीन निकट पूर्वी प्रेम कविता से कैसे संबंधित है जिसके हमारे पास कुछ उदाहरण हैं। अब हम अगले कई मिनटों तक इसके बारे में बात करेंगे।

सबसे पहले, गीत कविता है. कविता एक कृति है. ग्रीक शब्द का अर्थ स्वयं निर्मित या एक साथ रखी गई कोई चीज़ है।

मुझे हमेशा उन लोगों पर हंसी आती है जो कविता पढ़ने आते हैं और कहते हैं, ठीक है, मैंने इसे आज रात आते समय लिफाफे के पीछे लिख दिया था। मेरी तत्काल प्रतिक्रिया यह है कि यह कविता नहीं है। कविता में कुछ काम, कुछ आकार देने, कुछ संरचना, कुछ शब्दों और मुहावरों और प्रारूपों के चयन की आवश्यकता होती है।

अब, जब हम प्राचीन विश्व में कविता के बारे में बात करते हैं, तो हमारे पास चुनने के लिए कई तरह की चीजें होती हैं। बेशक, ग्रीक कवि हैं, लैटिन कवि हैं, और फिर आधुनिक समय में, समकालीन कवि, क्लासिक्स और इसके बाकी सभी कवि हैं। और जब हम अंग्रेजी में कविता के बारे में सोचते हैं, तो हम या तो एक मुक्त छंद प्रकार की चीज के रूप में सोचते हैं, जैसे कि समकालीन कविता, या अधिक औपचारिक संरचनाएं जहां हमें लय और तुकबंदी मिलती है, छंद की लंबाई के कुछ क्रम और उस तरह की चीज़ का.

लेकिन जब हम आम तौर पर बाइबिल कविता और प्राचीन निकट पूर्वी कविता के बारे में बात कर रहे हैं, तो हमारा दृष्टिकोण थोड़ा अलग है। प्राचीन काव्य में मुख्य विचार या मुख्य पद्धति आवश्यक रूप से तुक या लय नहीं है। इसमें थोड़ा-बहुत तो है, लेकिन बहुत ज्यादा नहीं।

बल्कि, विशेष रूप से बाइबिल कविता और प्राचीन निकट पूर्वी कविता की पहचान आम तौर पर समानता कहलाती है। इसका मतलब है कि किसी कथन को एक निश्चित तरीके से दोहराया या जोड़ा जाता है जिससे पुनरावृत्ति होती है। हम इसे शब्द छंद के बजाय विचार छंद कह सकते हैं।

भजनों की पुस्तक इस प्रकार की चीज़ों से भरी हुई है। यहां कई अलग-अलग श्रेणियां हैं, केवल दो या तीन का उल्लेख करने के लिए। एक मानक सामान्य समानता है जहां दूसरी पंक्ति पहली पंक्ति के विचार या विचार को दोहराती है।

इसके लिए दूसरा दृष्टिकोण वह है जहां दूसरी पंक्ति पहली पंक्ति के विचार को उलट देती है, विरोधाभासी समानता। या आपको ऐसी स्थिति मिल सकती है जहां दूसरी पंक्ति

पहली पंक्ति में जुड़ जाती है और फिर तीसरी पंक्ति दूसरी पंक्ति में जुड़ जाती है। तो, यह एक कदम की तरह एक कदम है, एक समय में एक पंक्ति।

या आपके पास एक विशेष मार्ग है, जिसके बारे में हम बाद में अधिक विस्तार से बात करेंगे, एक काव्यात्मक रूप, समानता, जिसे चियास्टिक या क्रॉस-आकार कहा जाता है, जहां आपने एक बयान दिया है, उसके बारे में एक दूसरी टिप्पणी, और फिर अगली पंक्ति में दूसरी टिप्पणी पहले उठाई जाती है, और फिर पहली पंक्ति के पहले भाग पर दूसरी पंक्ति के अंतिम भाग में टिप्पणी की जाती है। तो, पहली पंक्ति का पहला भाग और दूसरी पंक्ति का दूसरा भाग एक साथ चलते हैं, और इसके विपरीत, दूसरी पंक्ति का पहला भाग और पहली पंक्ति का अंतिम भाग एक साथ चलते हैं। वह क्रॉस-आकार का है.

अब हम उस पर वापस आएंगे। यह एक महत्वपूर्ण बिंदु है क्योंकि इसमें बहुत कुछ बताया गया है कि हम सुलैमान के गीत को कैसे समझते हैं। लेकिन ये इन विचारों को व्यक्त करने के तरीके हैं।

सुलैमान के गीत से कुछ उदाहरण। अध्याय 2, आठवाँ श्लोक. मेरे प्रिय की वाणी, देखो, वह पहाड़ों पर छलांग लगाता हुआ, और टीलों को लांघता हुआ आ रहा है।

पहाड़ों पर छलांग लगाना, पहाड़ियों पर चढ़ना। दो अलग-अलग विचार नहीं, बल्कि एक ही बात को कहने के दो तरीके। और यह शब्द के पूर्ण और सामान्य अर्थ में समानता है।

एक और उदाहरण। अध्याय 2, श्लोक 6. यह समानता है, लेकिन यह थोड़ा अलग है। इसमें दूसरी पंक्ति पहली पंक्ति से जुड़ती है।

यह बेचारी युवती उस लड़के के प्यार में पागल है। ओह, उसका बायाँ हाथ मेरे सिर के नीचे था, और उसका दाहिना हाथ मुझे गले लगा रहा था। वह दोनों हाथ अपने सिर के नीचे नहीं चाहती।

वह एक अपनी पीठ के चारों ओर और एक अपने सिर के नीचे चाहती है। तो, इस श्लोक में इस विचार में एक अतिरिक्त बात है। और हमें इस पुस्तक के माध्यम से और भजनों में आपके अन्य अध्ययनों और कई भविष्यवक्ताओं और अन्य प्रकार की चीजों में इसके कई उदाहरण मिलेंगे।

हिब्रू कविता का मानक चिह्न समानता है। एक ही बात को दो या तीन भिन्न प्रकार से जोड़ना या कहना। अब, विशेष रूप से, सोलोमन का गीत उस श्रेणी में है जिसे हम प्रेम कविता के रूप में पहचानेंगे।

अब, यह असामान्य नहीं है. प्रत्येक राष्ट्र की अपनी प्रेम कविता होती है, चाहे वह प्राचीन मेसोपोटामिया तक जाती हो, जिसे हम एक या दो मिनट में देखेंगे, या उस कविता तक जिसे किसी ने अभी पांच मिनट पहले अपनी नई प्रेमिका के लिए समाप्त किया था। कविता से प्यार है.

इसकी बहुत सारी। अब, अंतर यह है कि इसमें से कुछ अच्छा है, और कुछ अच्छा नहीं है। मैं तुमसे प्यार करता हूँ, मैं तुमसे प्यार करता हूँ, हाँ, हाँ, हाँ।

यह एक बात कहती है, लेकिन मैं तुमसे कैसे प्यार करता हूँ? मुझे उन तरीकों की गिनती करने दीजिए जो प्रेम कविता की बेहतर अभिव्यक्ति हैं। अब, हम यहाँ किससे निपट रहे हैं? खैर, हमारे पास प्राचीन विश्व की प्रेम कविता के बहुत सारे उदाहरण हैं। कई संग्रह, मेसोपोटामिया, मिस्र, और विभिन्न स्थानों से कुछ अन्य टुकड़े।

और उनके पास कुछ निश्चित तत्व हैं। आइए सबसे पहले मेसोपोटामिया की कुछ प्रेम कविताओं पर नजर डालें। अब, इसके बारे में कुछ बातें, और मैं केवल आपके लिए उन्हें उद्धृत करने का प्रयास करने के बजाय उनमें से कुछ को पढ़ने जा रहा हूँ।

निश्चित रूप से, जैसा कि मैंने कहा, यह कई भाषाओं में आम है। इन प्रेम कविताओं में बहुत सारी समानताएँ, बहुत सारी भिन्नताएँ, समानताएँ और विभिन्नताएँ हैं। आइए पहले उन्हें देखें, और फिर हम वापस आएंगे, कुछ सामान्य तत्वों को देखेंगे, और फिर कुछ अंतरों को देखेंगे।

बेबीलोनियाई प्रेम कविता, मेसोपोटामिया सामग्री, दो समूह हैं। एक प्रारंभिक समूह है जो संभवतःतीसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व के समय का है, और फिर दूसरा समूह है जो पहली सहस्राब्दी का है, उस समय के बारे में, शायद थोड़ा बाद में, बेबीलोन और मेसोपोटामिया के सोलोमन के गीत की तुलना में। अब मेसोपोटामिया की कविता और बेबीलोन की कविता में अलग-अलग टुकड़ों के संग्रह हैं।

जब हम कुछ मिनट पहले नाटक के बारे में बात कर रहे थे, तो मैंने उल्लेख किया था कि पाठकों के लिए मंच निर्देशों या निर्देशों की एक शृंखला होती है कि इसे कहां किया जाना है और इसे कैसे उद्धृत किया जाना है। और प्राचीन मेसोपोटामिया की प्रेम कविता में ये तत्व मौजूद हैं। लेकिन इस प्राचीन बेबीलोनियाई और मेसोपोटामिया की प्रेम कविता में जो बात महत्वपूर्ण है वह यह है कि यह पूजा से संबंधित है।

यह एक उर्वरता अनुष्ठान, एक उर्वरता पूजा है। चाहे हम उगारिट या अन्यत्र से कनानी सामग्री को देख रहे हों, हम बेबीलोनियाई सामग्री को देख रहे हों, हम पहले की सुमेरियन सामग्री को देख रहे हों, इन सभी में मुख्य विषय भगवान और देवी के बीच का संबंध है, और भूमि की उर्वरता तब आती है जब देवता और देवी के बीच वैवाहिक संबंध पूरा हो जाता है। यह सभी प्राचीन निकट पूर्वी प्रजनन धर्मों के माध्यम से और इज़राइल के अलावा, पूरी प्राचीन दुनिया में एक सामान्य विषय है।

अब, इसका मतलब यह है कि भगवान और देवी के बीच पवित्र विवाह का पुनर्मूल्यांकन वार्षिक आधार पर कभी-कभी राजा, नुज़ी और उच्च पुजारिन के बीच किया जाता है, जो देवी इन्ना का अवतार है। इसलिए राजा और देवी के बीच समुदाय में नियमित आधार पर अनुष्ठान पूजा के हिस्से के रूप में विवाह मिलन, यौन मिलन होता है। बाद की सामग्री में भी यही बात घटित होती है।

पहले में आपके पास नुज़ी और इनान्ना हैं, आपके पास कनानी पंथ में बाल और अनात हैं, इस तरह की चीजें हर समय चलती रहती हैं। और प्रेम कविता उन विशिष्ट रिश्तों से जुड़ी हुई है। मैं आपको एक उदाहरण देता हूं।

बेबीलोनियाई सामग्री में, मुख्य देवता मर्दुक है, और उसकी देवी ईशर है, और उसकी एक

प्रेमिका भी है, उसका नाम ज़ारपैनटिम है , और यहाँ एक रिश्ता चल रहा है जो काफी स्पष्ट रूप से बताया गया है। अब मुझे यहां उद्धृत करने दीजिए। यह राजा डुमुज़ी और देवी इनन्ना के बीच के रिश्ते से है।

वह मंदिर, महल, पवित्र शयनककष में उसका स्वागत करने के लिए तैयार हो रही है, और कवि कहता है, वह नितंब के पत्थरों को उठाती है और उन्हें अपने नितंबों पर रखती है। इन्ना कब्र के पत्थर उठाती है और उन्हें अपने सिर पर रखती है। वह लापीस लाजुली पत्थर उठाती है और उन्हें अपनी गर्दन के पीछे रखती है।

वह सोने के रिबन चुनती है, और उन्हें अपने बालों में, अपने सिर पर लगाती है। वह पतली सोने की बालियाँ उठाती है, और उन्हें अपने कानों में पहनती है। वह मीठा शहद चुनती है, और उसे अपनी कमर से लगाती है।

वह चमकीला एलाबस्टर चुनती है, और उसे अपनी गुदा पर लगाती है। वह काली विलो चुनती है, और उसे अपनी योनि पर लगाती है। वह अलंकृत सैंडल चुनती है, और उन्हें अपने पैरों पर पहनती है।

और स्वर्ग की नाभि में, एनलि का घर, मंदिर, डुमुज़ी ने उससे मुलाकात की। अब यह इस काल की एक प्रेम कविता है, और यह बहुत स्पष्ट है, और यह बहुत स्पष्ट रूप से प्रजनन पंथ से जुड़ी हुई है। अगले क्रम में, मर्दुक, यह बेबीलोनियाई वृत्तांत है, मर्दुक इश्तार से बात कर रहा है, उसका अर्पणवाद , वह उसकी पत्नी है, रानी, यहाँ इश्तार की तरह की प्रेमिका है।

तो अरपनजिम अपनी कोठरी में, अपने कमरे में सो रही है। लेकिन तुम मेरी छोटी चांदी जैसी लड़की हो। ऐसा लगता है कि प्राचीन बेबीलोन में भी गोरे लोगों को अधिक मज़ा आता था।

तू माँ है, बेबीलोन की ईशतर, सुन्दरी, बेबीलोनियों की रानी। तुम माँ हो, कारेलियन की हथेली, सुंदर। और इसलिए यहाँ वर्णन हैं, ये प्रेम कविताएँ हैं जो इस प्रकार की चीज़ों से निकलती हैं।

अब मिस्र में भी हमारे पास इसी तरह की चीज़ है। ऑर्चर्ड के गीत नामक एक संग्रह है, और ये काफी संक्षिप्त हैं, और यह एक छोटा सा उदाहरण है। अनार कहता है जैसे उसके दाँत मेरे बीज हैं, जैसे उसके स्तन मेरे फल हैं।

यहाँ कविता है, अनार के पेड़ की कविता, कविता में लड़की के साथ अपनी पहचान बताते हुए। मिस्र और मेसोपोटामिया दोनों से बहुत सामान्य विचार। मैं आपको मिस्र के साहित्य के कुछ अन्य उदाहरण देता हूँ और बताता हूँ कि इनमें से कुछ सोलोमन के गीत से कैसे जुड़े हैं।

सबसे पहले, गीत के अध्याय 1, श्लोक 10 में, हमें यह मिलता है, वास्तव में श्लोक 9 से शुरू होता है। मैं तुम्हारी तुलना, मेरे प्रिय, फिरौन के रथों की एक घोड़ी से करता हूँ। तेरे गाल आभूषणों से, और तेरी गर्दन मणियों की लड़ियों से शोभायमान हैं। हम तुम्हें चाँदी से जड़ित सोने के आभूषण बनाएँगे।

यह एक प्रकार का दिलचस्प छोटा सा अंश है। मिस्र की कविताओं में से एक, तथाकथित चेस्टर बीटी चक्र की कविताओं से है, यह इस संग्रह में 39वें नंबर पर है। महिला अपने प्रेमी से बात कर रही है.

कृपया राजा की घोड़ी जैसी, सभी झुंडों में से हजारों में से चुनी जाने वाली, अस्तबलों में सबसे अग्रणी, प्रिय महिला के पास जल्दी आएँ। यह अपने चारे में दूसरों से अलग रखा गया है, और

इसका मालकि इसके द्वार को जानता है। जैसे ही वह कोड़े की आवाज सुनता है, वह पीछे नहीं हटता।

कषेत्र में ऐसा कोई कप्तान नहीं है जो इससे आगे नकिल सके, लेकनि अचछी तरह से महलिा प्रेम जानती है कि वह उससे दूर नहीं जा सकता। आप फरिौन के रथों के बीच एक घोड़ी की तरह हैं, जो सेक्स अपील में सर्वोच्च है। अब, घोड़ियाँ कभी भी रथ नहीं खींचतीं, उन्हें घोड़े खींचते थे।

रथ के आक्रमण को बाधति करने के लिए शत्रु ने जो कुछ करना सीखा उनमें से एक था गरमी में पड़ी एक घोड़ी को घोड़ों के बीच में ढीला कर देना। जसिसे तमाम तरह की दक्कितें हुईं. खैर, सॉन्ग ऑफ सोलोमन की लड़की उसे जानती थी।

दूसरा उदाहरण, अध्याय दो, बारहवाँ श्लोक है। फूल पृथ्वी पर प्रकट होते हैं, गायन का समय आ गया है, और कछुए कबूतर की आवाज़ हमारी भूमि में सुनाई देती है। शीतकाल बीत चुका है, और वर्षा भी समाप्त हो चुकी है।

अंजीर के पेड़ में अंजीर लगते हैं, लताएं फूलती हैं, और सुगन्ध देती हैं। उठो, मेरे प्रयि, मेरी गोरी, चली आओ, हे मेरी कबूतरी, दूर आओ। मसिर की प्रेम कवतिाओं में से एक, यह उस प्रारंभकि संग्रह में है जसिका मैंने उल्लेख कयिा था, बस एक भाग पढ़ें।

कछुए कबूतर की आवाज बोलती है, हमारे देश में कछुए कबूतर की आवाज सुनाई देती है। कछुआ कबूतर की आवाज बोलती है, वह कहती है, दनि ढल रहा है, कसि ओर जा रहे हो? छोटी चड़िया, तुम्हें छोड़ देना चाहए, तुम मुझे डांटते हो।

मैंने अपने प्रेमी को उसके बसितर पर पाया और मेरा हृदय बहुत दुखवति हो गया। हमने कहा जब तक मेरा हाथ तुम्हारे हाथ में है हम तुमसे कभी दूर नहीं होंगे और हर पसंदीदा जगह पर तुम्हारे साथ घूमेंगे। वह मुझे लड़कयिों में सबसे आगे रखता है, वह मेरा दलि नहीं तोड़ता।

लेकनि वहां यह प्रेम कवतिा है और यहां यह वचिार, कछुए कबूतर के गीत पर यह टप्पिणी है। एक अन्य उदाहरण, अध्याय छह में। आठवें श्लोक से आरंभ करते हुए, हमने इसका एक भाग पहले पढ़ा।

वहाँ साठ रानयिाँ और अस्सी रखैलें, अगणति कुमारयिाँ हैं। मेरी कबूतरी, मेरी आदर्श एक, अकेली है, अपनी माँ की लाडली, और जसिने उसे जन्म दयिा उसके प्रति नषि्कलंक। फरि से, मसिर की प्रेम कवतिा में।

मेरा कबूतर, मेरा आदर्श, एकमात्र है। एक तो नारी प्रेम बनिा डुप्लकिेट के, संसार से भी उत्तम। वह एक शुभ वर्ष की शुरुआत में उभरते सतिारे की तरह है।

वह जसिकी उत्कृष्टता चमकती है, जसिका शरीर चमकता है, जब वह देखती है तो उसकी आँखें शानदार होती हैं, जब वह बातचीत करती है तो उसके होंठ मधुर होते हैं। वह एक शब्द भी ज्यादा नहीं कहती। ऊँची उसकी गर्दन, चमकते हुए उसके नपिल्स, एक असली लैपसि, उसके बाल, उसकी भुजाएँ सोने से भी सुन्दर, उसकी उंगलयिाँ कमल के फूलों की तरह खलिी हुई थीं।

जब उसकी कमर टाइट होती है तो उसके नतिंब झुक जाते हैं। उसके पैर उसकी पूर्णता को दर्शाते हैं। जब वह धरती पर चलती है तो उसके कदम थरिक रहे होते हैं।

वो मेरे दिल को अपने आगोश में ले लेती है. वह हर आदमी का सिर घुमा देती है. उसे देखते ही सभी मोहित हो जाते हैं।

जो कोई उसे गले लगाता है वह आनन्दित होता है, क्योंकि वह प्रेमियों में सबसे सफल बन गई है। जब वह सामने आती है, तो कोई भी देख सकता है कि उसके जैसा कोई नहीं है।" यह एक देवी के बारे में एक गीत है, लेकिन विचार वहीं है। यह एक प्रेम गीत है।

हमें बेबीलोन, मेसोपोटामिया, मिस्र, कनान, हर जगह से इसके उदाहरण मिले हैं। प्रेम कविता में यह एक सामान्य विषय है। प्रेम कविता के कुछ तत्व क्या हैं? क्या सोलोमन का गीत इन्हें साझा करता है? हाँ, वास्तव में वहाँ है।

बहुत दिलचस्प चीजों में से एक, और यह हमारे पास मौजूद सभी उदाहरणों पर लागू होता है। गीत भाषण हैं, नर नारी। इसके बारे में दिलचस्प बात यह है कि अब तक हमें जो भी उदाहरण मिले हैं, उनमें महिला पुरुष की तुलना में दोगुनी पंक्तियाँ बोलती है।

बेबीलोन, मिस्र, मेसोपोटामिया, कनान, सोलोमन का गीत। पैटर्न सुसंगत है. पुरुष की तुलना में महिला को दोगुनी लाइनें।

अब यह महज़ घटित होने से कहीं अधिक है। आपको यह एक या दो बार मिल सकता है, लेकिन जब यह पूरे साहित्य में होता है, तो ऐसा लगता है कि यह एक पैटर्न है, और गाना उस पैटर्न पर फिट बैठता है। कुछ अन्य बातें.

कुछ सामान्य तत्व. जिसे हम मैं-तू कथन कहते हैं वह बहुत सामान्य है। यदि वे किसी और से प्रेमी के बारे में बात कर रहे हैं, तो वे तीसरे व्यक्ति में वह या वह या मेरा प्रिय या मेरा प्रेमी कहेंगे।

लेकिन जब वे एक-दूसरे से बात कर रहे होते हैं, तो यह हमेशा मैं-तू संबंध में होता है। अब अंग्रेजी में हमारे लिए इसका कोई खास मतलब नहीं है क्योंकि हमारे पास दूसरे व्यक्ति के लिए कोई एकवचन रूप नहीं है। यह मैं, तुम, वह है।

हम तुम वो। लेकिन, उदाहरण के लिए, यदि आप जर्मन या फ्रेंच या लैटिन या कई अन्य भाषाएँ बोलते हैं, तो दूसरे व्यक्ति एकवचन में एक अलग रूप होता है। उदाहरण के लिए, फ्रेंच में, यह मेरे लिए जेई है, आपके लिए तू है ।

लेकिन अगर किसी समूह में आप हैं, तो यह आप है , तू नहीं। आप उस एकवचन रूप तू का उपयोग केवल परिवार या बहुत करीबी रिश्तों में करते हैं, कभी किसी वरिष्ठ के साथ या कभी किसी अजनबी के साथ नहीं। और हिब्रू में और यहां के अनुवादों में, गीत में और मिस्र की सामग्री और मेसोपोटामिया साहित्य में, यह हमेशा इसी विलक्षण रूप में है।

आप, तू , यदि यह फ्रेंच होता, यह व्यक्तिगत अंतरंग संबंध अभिव्यक्ति, मैं-तू रूप। यह पूरे साहित्य में आम बात है। दूसरा तत्व जो यहां साहित्य में बार-बार आता है, वह उस आनंद और उत्साह का विचार है जिसकी प्रेमी या तो उम्मीद कर रहे हैं या साझा कर रहे हैं।

फिर, यह पूरे साहित्य में चलता है। मुझे अपने हृदय पर मुहर के समान, अपनी भुजाओं पर मुहर के समान स्थापित करो। प्रेम मृत्यु के समान शक्तिशाली है।

उस रिश्ते का उत्साह. ओह, कि तुम मेरे लिए एक भाई की तरह थे जिसने मेरी माँ की छाती को दूध पिलाया। अगर मैं तुमसे बाहर मिलूं तो तुम्हें चूम लूंगा.

कोई भी मेरा तिरस्कार नहीं करेगा. वह आत्मीयता, आनंद और उत्साह की चाहत। और ठीक इसके साथ ही, किसी प्रकार की बाधा या रास्ते में कुछ आने की समस्या भी है।

प्यार कभी सहज नहीं होता. इस मामले में, सॉन्ग ऑफ सोलोमन में, इस युवा महिला के कुछ भाई हैं। अध्याय 1. मेरे भाई मुझसे नाराज़ थे।

उन्होंने मुझे दाख की बारी का रखवाला तो ठहराया, परन्तु मैं ने अपनी दाख की बारी की रखवाली नहीं की। हम नहीं चाहते कि हमारी छोटी बहन को आपसे परेशानी हो। अध्याय 8, श्लोक 8. हमारी एक छोटी बहन है।

वह अभी बड़ी नहीं हुई है. जब उसके बारे में बात की जाएगी तो हम उसके लिए क्या करेंगे? यदि वह एक दीवार है, तो हम उस पर चांदी की दीवारें बनाएंगे। यदि वह एक दरवाजा है, तो हम उसे देवदार के तख्तों से घेर देंगे।

उसे आसपास आ रहे इस लड़के से दूर रखने के लिए कुछ भी करें। कभी-कभी यह मौसम होता है। मिस्र की चीज़ में एक बहुत ही दिलचस्प छोटी कविता है।

वह वर्णन कर रहा है, पुरुष उस महिला से मिलने जाने के अपने इरादे का वर्णन कर रहा है। वह नील नदी के दूसरी ओर है। वह उस तक पहुंचने के लिए नील नदी को तैरकर पार करने जा रहा है।

मगरमच्छ मेरे लिए चूहों की तरह होंगे क्योंकि मैं तुम्हारे साथ रहना चाहता हूँ। वह विचार वहां भी है. आप एक युवक की पुरानी कहानी जानते हैं जिसने अपनी प्रेमिका को फोन किया और उसे बताया कि वह उससे कितना प्यार करता है।

वह उसके साथ रहने के लिए नरक और गहरे पानी से गुजरेगा। फिर उसने कहा, अगर आज रात बारिश हुई तो मैं नहीं बचूंगा. खैर, आपको वह इन चीज़ों में नहीं मिलता।

वहाँ वह आनंद और उत्साह है, मिलन की प्रत्याशा है और साथ में समय बिताना है, लेकिन रास्ते में हमेशा ये आपत्तियाँ और रुकावटें आती हैं। लेकिन प्रेम कविता में, उन्हें एक तरफ रख दिया जाता है और कहीं न कहीं रेखा के साथ परिणति पर पहुंचा जाता है। वह खुशी और उत्साह इसका हिस्सा है।

प्रेम कविता में एक और सामान्य तत्व वह है जिसे हम भौतिक विवरण कह सकते हैं। यह सोलोमन के गीत में नहीं है, बल्कि बाइबिल की पहली पुस्तक, उत्पत्ति की पुस्तक, अध्याय 2 में है, जब आदम बनाया गया और भगवान को उसके लिए कोई उपयुक्त साथी नहीं मिला, तो उसने उसे सुला दिया। और आदम की एक पसली लेता है, पद 21। और पद 22, उस पसली से जो उस ने निकाली थी, एक स्त्री बनाई, और उसे पुरुष के पास ले आया।

और फिर श्लोक 23, मुझे यह दिलचस्प लगता है कि पवित्रशास्त्र में मानव प्रजाति के पहले दर्ज किए गए शब्द, अब एडम ने जानवरों का नाम रखा, हम नहीं जानते कि उसने उनका क्या नाम रखा क्योंकि हमारे पास वे शब्द नहीं हैं, लेकिन पहला रिकॉर्ड किया गया है उस आदमी के शब्द यहाँ श्लोक 23 में हैं। और यह एक प्रेम कविता है। आखिरकार, यह मेरी हड्डियों में से हड्डी है, मेरे मांस में से मांस है।

वह स्त्री कहलाएगी क्योंकि वह पुरुष में से निकाली गई है। देखिए, ईडन गार्डन में ही, भगवान को पता था कि प्यार रिश्तों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। और जब एडम उठा, उस ईश्वर-प्रेरित संवेदनाहारी से बाहर आया, और उस भव्य प्राणी को अपने पास खड़ा देखा, वाह, आखिरकार, मेरी हड्डी की हड्डी, मेरे मांस का मांस।

अब, यह एक अच्छी शुरुआत है, बहुत विस्तृत नहीं, लेकिन यह एक अच्छी शुरुआत है। और जब हम सोलोमन के गीत और अन्य साहित्य में भी जाते हैं, तो हमें पात्रों की शारीरिक सुंदरता का बहुत सटीक विवरण मिलता है। उदाहरण के लिए, गीत के अध्याय 4 में, देखो, तुम सुंदर हो, मेरे प्रिये, देखो तुम सुंदर हो।

तेरी आंखें घूँघट के पीछे की कबूतर हैं। तेरे बाल बकरियों के झुंड के समान हैं जो गिलियड की ढलानों से नीचे जा रहे हैं। वे लंबे, काले बालों वाली बकरियां नीचे आ रही हैं, ऐसा लगता है जैसे वह चलते समय उसके बाल लहरा रहे हों।

यह अगली छवि थोड़ी अजीब है लेकिन एक पल के लिए इसे सुनें। तेरे दाँत ऊनी भेड़ों के झुण्ड के समान हैं जो नहाकर निकली हों। उनमें से सभी के जुड़वाँ बच्चे हैं, और उनमें से एक भी शोकग्रस्त नहीं है।

अनुवाद में थोड़ी समस्या है, हम उस पर थोड़ी देर बाद विचार करेंगे, लेकिन फिर, यह लड़की का वर्णन है। पद 5, तेरी दोनों छातियां हिरन के दो जुड़वा बच्चों के समान हैं जो सोसन फूलों के बीच चरते हैं। श्लोक 7, हे मेरे प्रिय, तुम सब निष्पक्ष हो, तुममें कोई दोष नहीं है।

हे मेरी दुल्हिन, लबानोन से मेरे साथ चल, मेरे संग चल। श्लोक 10, हे मेरी बहन, हे मेरी दुल्हिन, तेरा प्रेम कितना मीठा है, तेरा प्रेम दाखमधु से और तेरे तेल का सुगन्ध सब मसाले से कितना उत्तम है। तुम्हारे होंठ अमृत बखेरते हैं, मेरी दुल्हन, शहद और दूध तुम्हारी जीभ के नीचे हैं।

तेरे वस्त्रों की सुगन्ध लबानोन की सुगन्ध के समान है। काफी सटीक वर्णन. अध्याय 5, मैंने पहले कहा था कि इन कविताओं में लड़की पुरुष की तुलना में दोगुना बोलती है, और यहां इसका एक उदाहरण है।

अध्याय 5 का श्लोक 10, मेरा प्रियतम अत्यंत तेजस्वी और सुर्ख है, दस हजार में प्रतिष्ठित है। उसका सिर उत्तम सोने का है, उसकी लटें लहरदार, कौए के समान काली हैं। उसकी आंखें पानी के झरनों के पास दूध से नहाई हुई, स्थिर और स्थिर कबूतरों के समान हैं।

उसके गाल मसालों के बिस्तर के समान हैं, जिनसे सुगंध आती है। उसके होंठ सोसन के फूल हैं, और गन्धरस का रस निकाल रहे हैं। उसकी भुजाएँ सोने की गोल हैं, रत्नों से जड़ी हुई हैं।

उसका शरीर हाथीदांत के काम के समान, नीलमणि से जड़ा हुआ था। उसके पैर अलबास्टर स्तंभ हैं, जो सोने के आधार पर स्थापित हैं। उसका रूप लबानोन के समान, और उसकी सुन्दरता देवदारों के समान है।

उसकी वाणी सबसे मधुर होती है, वह सर्वथा वांछनीय होता है। हे यरूशलेम की पुत्रियों, यह मेरा प्रिय है, यह मेरा मित्र है। वह वहां काफी स्पष्ट है।

हमारे पास इसका एक और उदाहरण है, अध्याय 7, और यह युवा महिला का वर्णन है। हे रानी कुमारी, तुम्हारे पैरों में सैंडल कितने सुंदर हैं! आपकी गोल जाँघें गहनों की तरह हैं, एक कुशल हाथ का काम।

आपकी नाभि एक गोल कटोरा है जिसमें मिश्रित शराब की कभी कमी नहीं होती। तेरा पेट गेहूँ का ढेर है, जो सोसन फूलों से घिरा हुआ है। तेरी दोनों छातियाँ चिकारे के दो जुड़वा बच्चों के समान हैं।

तेरी गर्दन हाथीदांत मीनार के समान है। हेशबोन में बेत रबीम के फाटक के पास तेरी आंखें पोखरों के समान हैं । आपकी नाक दमिश्क की ओर देखने वाली लेबनान की मीनार की तरह है।

आपका सिर आपको कारमेल की तरह ताज पहनाता है, और आपके लहराते बाल बैंगनी की तरह हैं। एक राजा को जटाओं में बंदी बना लिया जाता है। हे प्रियजन, मनोरम युवती, तुम कितनी निष्पक्ष और सुखद हो।

बहुत, बहुत स्पष्ट. इस प्रकार के वर्णन हमारे पास हैं, भौतिक वर्णन, यहां की कहानियों में, प्रेम कविता में, सॉंग ऑफ सोलोमन में और अन्यत्र। यहां एक अन्य तत्व पुरुष और महिला के बीच शारीरिक अंतरंगता का वर्णन है।

कभी-कभी इसे विशेष रूप से शयनकक्ष के रूप में वर्णित किया जाता है। अध्याय 8 का श्लोक 2. यदि मैं तुम से बाहर मिलूं, तो तुम्हें चूमूंगा, और कोई मेरा तिरस्कार न करेगा। मैं तुम्हें ले

चलूंगा और तुम्हें अपनी मां के घर में ले जाऊंगा, उसकी कोठरी में जिसने मुझे गर्भवती किया, शयनकक्ष में।

मैं तुम्हें मसालेदार दाखमधु और अनारों का रस पीने को दूंगा। फिर वह उस रिश्ते का वर्णन करने लगती है। अध्याय 6 का श्लोक 11। मैं घाटी के फूलों को देखने के लिए अखरोट के बगीचे में गया, यह देखने के लिए कि लताएँ खिली हैं या नहीं, अनार खिले हैं या नहीं।

इससे पहले कि मैं सचेत होता, मेरी कल्पना ने मुझे मेरे राजकुमार, बगीचे के पास रथ में बैठा दिया। मिस्र की प्रेम कविता में, नदी के किनारे एकांत स्थानों के कई संदर्भ हैं जहां प्रेमी छिप सकते हैं और पाए नहीं जा सकते। यह, फिर से, एक सामान्य विषय है, चाहे हम इसे मेसोपोटामिया से प्राप्त करें, मिस्र से, या गीत से।

विचारों की एक और शृंखला जो साहित्य में आम है वह है प्रिय को देखने, व्यक्ति को देखने, उसका वर्णन करने और आवाज़ सुनने पर जोर दिया जाता है। मिस्र की कविताओं में से एक है जहां महिला दलदल के पार अपने प्रेमी की आवाज़ सुनती है जब वह उसके पास आता है। हमारे यहाँ उस प्रकार की चीज़ है।

मैंने पहाड़ों पर अपने प्रियतम को सुना। इस प्रकार की अनेक चीज़ें हैं। इसमें शारीरिक संपर्क, चुंबन, स्पर्श, दुलार बहुत अधिक होता है।

वहां जो टिप्पणी है, उसका बायां हाथ मेरे सिर के नीचे है, उसका दाहिना हाथ मुझे गले लगा रहा है, यह सिर्फ अपना हाथ मेरे चारों ओर रखने से कहीं अधिक है। यह वर्णन के भाग के रूप में एक-दूसरे का वास्तविक अंतरंग शारीरिक स्नेह है। यह बिल्कुल स्पष्ट और बिल्कुल स्पष्ट है।

आखिरकार, प्रेमियों के बीच यौन मिलन को बहुत, बहुत स्पष्ट रूप से वर्णित किया गया है। गीत में, हम कुछ ही मिनटों में इस पर वापस आएँगे जब हम पुस्तक की संरचना के बारे में बात करेंगे, अध्याय 4 के छंद 16 से अध्याय 5, छंद 1 में, जागो, हे उत्तरी हवा, और आओ, हे दक्षिण हवा , मेरे बगीचे पर वार करो। इसकी खुशबू देश विदेश तक जाये.

मेरे प्रिय को अपने बगीचे में आने दो और उसके सबसे अच्छे फल खाने दो। मैं अपने बगीचे में आता हूं, मेरी बहन, मेरी दुल्हन। मैं अपने मसाले के साथ अपना गन्धरस इकट्ठा करता हूं।

मैं अपने छत्ते को अपने शहद के साथ खाता हूँ। मैं अपनी शराब अपने दूध के साथ पीता हूँ। खाओ, हे मित्रों, और पियो।

गहराई से पियो, हे प्रेमियों, तुम्हारे प्रेम-प्रसंग में यही विचार है। वहां अंतिम वाक्यांश का अनुवाद उनके लिए एक संबोधन के रूप में किया जा सकता है, हे प्रेमियों, या अपने प्रेम-निर्माण में गहराई से पी लो। पाठ किसी भी ओर जा सकता है.

तो, यह रिश्ते की परिणति है। और हम इसे न केवल यहां मेसोपोटामिया की कविता में पाते हैं, हम इसे काफी स्पष्ट रूप से वर्णित पाते हैं, और मिस्र की कई कविताओं में भी। यह वह स्त्री है जो बोल रही है, मेरी छाती ले लो, यह तुम्हारे लिये उमड़ रही है।

वास्तव में आपकी बाहों में एक दिन पृथ्वी पर कहीं भी एक लाख दिन से बेहतर है। और इस प्रकार के विचार मौजूद हैं। यह प्यारी सी कविता सीधे तौर पर संबंधित नहीं है, लेकिन इसमें कुछ न कुछ विचार है।

यह आदमी बोल रहा है, मैं अंदर लेट जाऊँगा और ऐसा दिखावा करूँगा जैसे मैं बीमार हूँ। मेरे पड़ोसी मुझसे मिलने आएँगे, और उनके साथ मेरी लड़की भी आएगी। वह डॉक्टरों को बाहर कर देगी, वह जानती है कि मेरी चोट को कैसे ठीक करना है।

इस प्रकार के विचार प्रेम कविता, सोलोमन के गीत और अन्य में भी चलते हैं। अब एक तिहाई, या हम अब तक क्या कर रहे हैं, मुझे लगता है कि लगभग छह या सात, जो भी हो, एक और सामान्य विषय है जो प्रेम कविता के माध्यम से चलता है। मेसोपोटामिया, कनानी, मिस्र, बेबीलोनियन, बाइबिल।

और वह है रिश्ते का वर्णन करने के लिए पारिवारिक शब्दों का उपयोग। मेरी बहन, मेरी दुल्हन, मेरे पास आओ। बहन, वह उसकी बहन नहीं है, वह उसकी प्रेमिका है, उसकी दुल्हन है, इस मामले में उसकी होने वाली पत्नी है।

मेरे भाई के संदर्भ हैं। आप इसे मिस्र की कविता में पाते हैं, आप इसे अन्यत्र भी पाते हैं। मुझे हमारे लिए यहां एक लाने दो।

संख्या 12. मुझे भाई से दूर जाना होगा, और जब तक मैं तुम्हारे प्यार की लालसा करता हूं, मेरा दिल मेरे अंदर स्थिर रहता है। मेरे भाई, मेरे प्रियजन, मेरा दिल तुम्हारे प्यार का पीछा करता है।

मैंने अपना मन बनाया और भाई मेरे पास आये। मेरे भाई, तुम ही मेरी एकमात्र चिंता हो। तेरा प्यार मेरे दिल को अच्छी तरह याद है.

मेरी कनपटी के आधे हिस्से में कंघी की गई थी। मैं तुम्हें देखने के लिए दौड़ा आया, और मैं अपने बाल ठीक करना भूल गया। और हमारे पास इस तरह की चीजें बार-बार आती रहती हैं।

भाई, प्रेमी. बहन, दुल्हन. एक और विषय जो बार-बार सामने आता है, और यह इस विचार को कुछ समर्थन देता है कि यह गीत राजा सुलैमान के बारे में है क्योंकि इसमें राजा और रानी के संदर्भ हैं।

राजा सुलैमान उस मुकुट के साथ जिससे उसकी माँ ने उसे ताज पहनाया था। जो शादी के दिन आने वाली रानी की तरह तैयार होती है. यहां संदर्भ हैं.

अध्याय 6 का श्लोक 12। इससे पहले कि मुझे अपनी कल्पना का एहसास हो, मुझे अपने राजकुमार के बगल में एक रथ पर बिठाओ। अब, ये फिर से, साहित्य में और

प्राचीन दुनिया की प्रेम कविता और बाइबिल सामग्री दोनों में सामान्य शब्द हैं। श्रेष्ठगीत के अध्याय 6, श्लोक 12 में वह संदर्भ।

कुछ संदर्भ जो इसके काफी करीब हैं। जब मैंने अपना ध्यान बाहरी दरवाजे की ओर लगाया, तो भाई मेरे पास आया। मैंने अपनी आँखें सड़क पर रखीं, मेरे कान सुन रहे थे कि मैं मेही पर घात लगा सकता हूँ ।

मेही पर कुछ बहस चल रही है कि क्या वह एक वास्तविक राजकुमार था या क्या वह सिर्फ एक तरह का काल्पनिक राजकुमार था जिसने इन गीतों को प्रेरित किया। यह जो भी है उसकी पहचान छुपाने के लिए यह एक छद्म नाम हो सकता है। लेकिन वह उस पर घात लगाने की फिराक में है।

मेरी एकमात्र चिंता यह है कि मैंने अपने भाई का प्रेम उसके प्रति निर्धारित कर दिया है। मेरा दिल चुप नहीं रहेगा. मैंने दूत को विदा कर दिया है और वह मुझे अपने पास ले आएगा।

इन कविताओं में प्रसि मेही का एक और संदर्भ है । इसका नंबर है 33. इसमें मेही एक नेगेटिव किरदार है.

जब मैं उसके घर में बैठा था तो मेरे दिल ने उसकी खूबसूरती देखने का प्रस्ताव किया। मैंने मेही को अपने रथ पर अपने हट्टे-कट्टे गिरोह के साथ सड़क पर पाया । मुझे नहीं पता कि मैं खुद को उसकी मौजूदगी से कैसे दूर करूं।

क्या मैं टहलते हुए उसके पास से गुजर जाऊं? नदी मेरे लिये सड़क मार्ग है, मेरे पैरों के लिये जगह नहीं है। तुम कितने मूर्ख हो, मेरे दिल! आप मेही के पास क्यों चलेंगे ? अगर मैं उसके बगल से गुजरूं तो मुझे उसे अपनी परेशानी बतानी पड़ेगी।

देखो, मैं तुम्हारा हूँ, मैं उससे कहूँगा। और वह मेरा नाम चिल्लाएगा. लेकिन वह मुझे अपनी सेना के पहले आदमी के साथ हरम में भेज देगा।

वह बहुत सुसंगत नहीं है. वह उससे प्यार करती है, लेकिन वह उसके साथ कहीं नहीं जा सकती। इस प्रकार की समस्याएँ.

अब, यहाँ राजकुमार या राजा या राजकुमारी या रानी के विचार ने कुछ लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि, हाँ, यह वास्तव में एक राजकुमारी और एक रानी और राजा सुलैमान था। लेकिन साहित्य से साक्ष्य यह है कि बहन, भाई, राजकुमार, राजकुमारी, रानी और राजा केवल मानक रूप हैं जो साहित्य में उपयोग किए जाते हैं। मिस्र की कविता में महिला चाहती है कि उसके साथ उसकी बहन जैसा व्यवहार किया जाए, जैसा कि यहां सोलोमन के गीत में है।

यदि तुम मेरे भाई होते, तो मैं तुम्हें सड़क पर ही चूम सकता और किसी को आश्चर्य नहीं होता। तुम नहीं हो, इसलिए मैं नहीं कर सकता, लेकिन लड़के, क्या मैं ऐसा करना चाहूंगा। हमारे पास वह चीज़ बार-बार आती है।

भाई बहन। राजा और रानी, एक ही तरह की चीज़। सामान्य उद्देश्य, सामान्य विचार।

अब, ये सभी तत्व हैं जो साहित्य में चलते हैं, लेकिन सोलोमन के गीत और शेष प्राचीन निकट पूर्वी प्रेम कविता में कुछ बहुत ही दिलचस्प अंतर हैं। मैंने कुछ समय पहले कहा था कि मेसोपोटामिया, कनानी, मिस्र और बेबीलोनियाई प्रेम कविता पंथ-संबंधी है। इसका संबंध धर्म

से है, पूजा से है.

यह ईश्वर-केन्द्रित या ईश्वर-केन्द्रित है। सॉंग ऑफ सोलोमन में ऐसा कुछ भी नहीं है। एक कारण जो मुझे लगता है कि यह एक रूपक नहीं हो सकता है, इज़राइल के लिए ईश्वर के प्रेम या चर्च के लिए ईसा मसीह के प्रेम के बारे में बात करना, यह है कि कोई भी साहित्य, कोई भी शब्दावली, कोई भी ईश्वर शब्द या पंथ शब्द इसमें प्रकट नहीं होता है। गीत।

पुराने नियम के शेष भाग में सामान्य धार्मिक शब्दों में से एक भी यहाँ नहीं मिलता है। एकमात्र संभावना और यह संभावना के बिल्कुल किनारे पर है , अध्याय 8, श्लोक 6 में है। पाठ में लिखा है, "...मुझे अपने दिल पर एक मुहर के रूप में स्थापित करें, अपनी बांह पर एक मुहर के रूप में, क्योंकि प्यार ऐसा है मृत्यु के समान प्रबल, ईर्ष्या कब्र के समान क्रूर है, इसकी चमक आग की चमक है, सबसे तीव्र ज्वाला है।" कई संस्करण उस पंक्ति के अंतिम भाग को यहोवा की लौ के रूप में अनुवादित करते हैं। अब, समस्या यह है कि यहोवा का नाम पाठ में प्रकट नहीं होता है।

एक संक्षिप्त नाम है, याह, जो यहोवा का पहला भाग है, जिसे कभी-कभी पुराने नियम में भगवान के नाम के रूप में उपयोग किया जाता है। कुछ टिप्पणीकारों ने सुझाव दिया है कि यह ईश्वर की ओर से आग की चमक है। लेकिन इस शब्द का प्रयोग केवल अतिशयोक्ति के रूप में किया जाता है।

यह एक शक्तिशाली ज्वाला या प्रचंड ज्वाला है, एक ज्वाला जो ईश्वर से आएगी, लेकिन इस संदर्भ में ईश्वर की विशेष रूप से पहचान नहीं की गई है। सुलैमान के गीत में किसी भी एक धार्मिक शब्द का यही एकमात्र संदर्भ है। आपको उनमें से कोई भी पुस्तक में नहीं मिलेगा।

जब मैं इस पुस्तक के लिए टिप्पणी लिखने, हिब्रू शब्दकोष को पढ़ने और सोलोमन के गीत में सभी शब्दों और उनके संदर्भों की पहचान करने पर काम कर रहा था, तो यह मेरे लिए काफी सदमे की तरह था। मैं लगभग आधी सूची में पहुँच गया और मुझे एहसास हुआ कि क्या मुझसे कुछ छूट गया है? इनमें से कोई भी धार्मिक शब्द दिखाई नहीं दिया, इसलिए मैं वापस गया और दोबारा जांच की, और निश्चित रूप से, वहां एक भी शब्द नहीं था। यदि मैं इसे अधार्मिक लगे बिना कह सकूँ, तो यह एक विशुद्ध धर्मनिरपेक्ष पुस्तक है।

सांस्कृतिक अर्थ में भगवान की गतिविधियाँ प्रकट ही नहीं होतीं। वे वहां हैं ही नहीं. यह इस पुस्तक और शेष प्राचीन निकट पूर्वी प्रेम कविता के बीच बहुत स्पष्ट अंतरों में से एक है।

एक और तत्व है जो मुझे बहुत आकर्षक लगता है। अधिकांश अन्य साहित्य शिकार से संबंधित है, जिसमें जंगली जानवरों को पकड़ने या मारने के लिए उनका पीछा किया जाता है। उदाहरण के लिए

, मिस्र की प्रेम कविता में, रेगिस्तान में दौड़ते हुए हिरण की तरह महिला प्रेम के पास जल्दी आओ।

इसके पैर जख्मी हैं. इसके अंग थक गये हैं। डर उसके शरीर में घुस जाता है.

शिकारी इसके पीछे लगे हुए हैं। शिकारी कुत्ते उनके साथ हैं। धूल के कारण उन्हें दिखाई नहीं देता।

उसे अपना विश्राम स्थल मृगतृष्णा जैसा दिखाई देता है। यह एक नहर को अपनी सड़क मानता है। इससे पहले कि आप अपना हाथ चार बार चूमें, आप महिला प्रेम का पीछा करते हुए उसके ठिकाने तक पहुँच चुके होंगे।

यह सुनहरी देवी है जिसने उसे तुम्हारे लिए अलग रखा है, मित्र। यह इस प्रकार के कई शिकार रूपांकनों का सिर्फ एक उदाहरण है। अब, प्राचीन इज़राइल में, शिकार करना संस्कृति का हिस्सा नहीं था।

हमें बाइबिल सामग्री में इसका कोई संदर्भ नहीं मिलता है। कुछ अन्य लोग भी हैं जो शिकार करते हैं, लेकिन इसे कभी भी राजा या शक्तिशाली लोगों द्वारा किए जाने वाले महान कार्यों में से एक के रूप में नहीं देखा जाता है। इज़राइल में जीवन के प्रति बहुत अधिक सम्मान था।

यदि सिंह तुम्हारी भेड़ों के पीछे आया, तो तुम ने सिंह को मार डाला। यदि भालू उनके पीछे आये या भेड़िये उनके पीछे आये, तो तुमने उन्हें मार डाला। लेकिन आपने खेल के लिए शिकार नहीं किया।

जीवन बहुत मूल्यवान था, यहाँ तक कि पशु जीवन भी। इसलिए हम सोलोमन के गीत में शिकार का मूल भाव नहीं पाते जैसा कि हम अन्य प्रकृति काव्य में पाते हैं। एक तीसरा तत्व जो यहाँ विशिष्ट है वह प्राचीन निकट पूर्व के अन्य भागों के साहित्य में है, ईश्वर और प्रकृति के बीच एक भ्रम है।

संपूर्ण प्रजनन अनुष्ठान उस स्थिति पर आधारित है। प्रकृति उत्पादन नहीं करेगी. जानवर बच्चे पैदा नहीं करेंगे।

फसलें तब तक नहीं उगेंगी जब तक हम भगवान और देवी, पुजारिन और राजा, या पुजारी और पुजारिन, या कुछ भी न हों, जब तक कि हमारे पास यह शारीरिक यौन संबंध न हो, भूमि में कोई उर्वरता नहीं होगी क्योंकि देवता और भूमि, सृष्टि, एक ही हैं. बाइबिल की सामग्री में, ईश्वर और प्राणी के बीच वह बड़ी खाई है। प्रकृति ईश्वर की रचना है.

यह भगवान नहीं है. और सोलोमन के गीत में, उस भेद को स्पष्ट रखा गया है। प्रकृति अच्छी है.

प्रकृति वहां है. प्रकृति महत्वपूर्ण है. प्रकृति वही है जो हम हैं।

लेकिन हम भगवान नहीं हैं. और यह स्पष्ट रूप से बाइबिल आधारित है जहां यह अन्य साहित्य में भ्रमित है। सन्दर्भों की एक और शृंखला, यह एक तरह की छोटी सी बात है, लेकिन दिलचस्प है।

बाइबिल सामग्री में, अंगूर के बगीचे, शराब, शराब पीने, उत्साह और उस उत्सव के साथ आने वाली खुशी के कई संदर्भ हैं। गैर-बाइबिल साहित्य में, शराब के कई संदर्भ हैं, लेकिन बीयर बनाने के भी बड़ी संख्या में संदर्भ हैं। अब, मुझे यकीन नहीं है, लेकिन मुझे प्राचीन इज़राइल में बीयर बनाने के लिए बाइबिल या अतिरिक्त-बाइबिल सामग्री में कोई संदर्भ नहीं मिला है।

मेरा अनुमान है कि बीयर बनाने के लिए अनाज बहुत मूल्यवान था। इसका उपयोग भोजन के लिए किया जाना था। खूब सारे अंगूर ताकि वे शराब बना सकें।

और हमें वह संदर्भ यहां मिलता है, लेकिन हमें बाइबिल की सामग्री में बीयर बनाने का संदर्भ नहीं मिलता है। फिर, एक बहुत ही दिलचस्प अंतर। और अंत में इन अंतरों पर, एक चीज़ जो मेरे सामने बहुत स्पष्ट रूप से आती है, वह बाइबिल के रिकॉर्ड, सोलोमन के गीत में है, प्रतिबद्धता की भावना है।

इस पुरुष और इस स्त्री की एकता है। यहां बेवफ़ाई का कोई निशान नहीं है. चीज़ों के ख़त्म होने या रिश्ते के ख़राब होने का कोई निशान नहीं है।

ओह, आपको कहानी में कुछ उतार-चढ़ाव मिले हैं। अगली बार जब हम यहां आएंगे तो हम उस पर फिर से विचार करेंगे। लेकिन गाने में ऐसा कोई भाव नहीं है कि ये रिश्ता टूटने वाला है.

आप इसे प्राचीन निकट पूर्व के अन्य हिस्सों के साहित्य में पाते हैं। गैर-बाइबिल साहित्य में, निष्ठा की भावना है, लेकिन यह वास्तव में ठोस नहीं है। यदि कोई और साथ आता है, तो शायद हम बदल जाएंगे।

वह हमें यहां नहीं मिलता. एक और चीज जो इस प्रेम कविता में और विशेष रूप से बाइबिल सामग्री में गायब है, वह यह है कि यहां ऐसा कुछ भी नहीं है जो परिवार और बच्चों के पालन-पोषण के बारे में बात करता हो। निश्चित रूप से यौन मुठभेड़ होती है, लेकिन यह पारिवारिक रिश्ते में विकसित नहीं होती है।

यहां ऐसा कुछ भी नहीं है जो एक साथ बूढ़े होने या खोए हुए जीवनसाथी की याद के साथ बूढ़े होने का सुझाव दे। यह एक सामंजस्यपूर्ण कृति है जो इस रिश्ते में एकता पर केंद्रित है। बाकी बातें हमें दूसरे साहित्य में मिलती हैं।

हम इसे यहाँ सोलोमन के गीत में नहीं पाते हैं। अब, इस अनुभाग पर एक अंतिम बात। बाइबिल गीत की शब्दावली के बारे में कुछ।

यहां फिर से, मुझे कुछ विस्तृत नोट्स का उल्लेख करना होगा क्योंकि यह थोड़ा जटिल हो जाता है। सोलोमन का गीत एक अपेक्षाकृत छोटी पुस्तक है। हम इसके कुछ निहितार्थों पर बाद में वापस आएंगे।

शीर्षक, पद 1, गीतों का गीत, जो सोलोमन का है, संहिता, गीत में केवल 117 पद हैं। तो, हमें 116 प्लस का खिताब मिला है। शीर्षक, जैसा कि मैंने पहले कहा था, किनारे पर रखा गया है।

अब, इस पुस्तक में, 117 छंद, 470 अलग-अलग शब्द हैं, अलग-अलग हिब्रू शब्द हैं। बेशक, वे अलग-अलग रूपों में आते हैं, लेकिन जड़ें उनकी 470 हैं। अब, तुरंत हमारे सामने एक समस्या है क्योंकि उनमें से 470, 10%, 47, साहित्य में केवल एक बार आते हैं।

पुराचीन साहित्य में, हिब्रू साहित्य में, कहीं और ऐसा नहीं है कि ये शब्द दिखाई देते हों। उनमें से 47. यह शब्दावली का 10% है।

हमें कोई वास्तविक अंदाजा नहीं है कि इसका क्या मतलब है। हम अनुमान तो लगा सकते हैं, लेकिन निश्चित नहीं हो सकते। अन्य 51 शब्द ऐसे हैं जो पाँच से कम बार आते हैं।

और उनमें से कई, वे चार या पांच बार घटित होते हैं, लेकिन वे समान संदर्भों में घटित होते हैं। इसलिए, हमारे पास यह जांचने का कोई तरीका नहीं है कि उनका क्या मतलब है क्योंकि हम इसे एक बार भी कह सकते हैं, पांच बार भी कह सकते हैं और बिल्कुल एक ही बात कह सकते हैं। हम बस नहीं जानते.

अन्य 45 हैं जो पूरे साहित्य में छह से दस बार के बीच आते हैं, न केवल गीत में, बल्कि पूरे साहित्य में। और 27 अन्य ऐसे हैं जो पूरे पुराने नियम में 20 से भी कम बार घटित हुए हैं। अब, मैं अंकगणित में बहुत अच्छा नहीं हूं, लेकिन मुझे लगता है कि हमें यहां लगभग 200 शब्द मिले हैं जो पूरे पुराने नियम में 20 से भी कम बार आए हैं।

और उनमें से 100 से अधिक पाँच बार से भी कम घटित होते हैं। अब, यह हमें थोड़ी समस्या में डाल देता है। चूँकि ये शब्द बहुत सामान्य नहीं हैं, इसलिए हम हमेशा इनके अर्थ के बारे में निश्चित नहीं हो सकते।

अब, यह सुलैमान के गीत में मिश्रित है। मैंने कहा कि हमारे पास शीर्षक पंक्ति सहित 117 छंद हैं। उन 117 में से 99 में एक या अधिक ऐसे असामान्य शब्द हैं।

तो, गीत में केवल 18 छंदों में ऐसे शब्द हैं जो सामान्य हैं। इससे हमें व्याख्या की थोड़ी समस्या होती है। 50 छंदों में ऐसे शब्द हैं जिनका उपयोग सोलोमन के गीत के बाहर नहीं किया जाता है।

अन्य 12 में ऐसे शब्द हैं जिनका प्रयोग तीन से कम बार किया गया है। और इसका मतलब यह है कि यहां बहुत सारे छंद हैं जहां हम सटीक रूप से निश्चित नहीं हो सकते कि उनका वास्तव में क्या मतलब है। हमें समझ आ जाती है.

हमें एक व्यापक समझ मिलती है. लेकिन जब पाठ के सटीक विवरण की बात आती है, तो आधे से अधिक समय, 97% समय, हमें कहना पड़ता है, हम्म , यह एक

अच्छा अनुमान है, लेकिन मैं वास्तव में निश्चित नहीं हो सकता। और यह टिप्पणीकारों के लिए इसे बहुत कठिन बना देता है।

टिप्पणीकार आपको यह बताए बिना पकड़े जाना पसंद नहीं करते कि इसमें क्या कहा गया है। लेकिन गाने में, आप ऐसा नहीं कर सकते। पास आओ, और कुछ विचार दो, लेकिन यही सबसे अच्छा है जो हम कर सकते हैं।

थोड़ी देर बाद, हम कई अनुच्छेदों को देखेंगे और इनमें से कुछ समस्या पाठों को देखेंगे, विकल्प क्या हैं, और उस विशेष कविता का क्या अर्थ है इसके बारे में कुछ सुझाव क्यों दिए गए हैं। अब, शब्दावली. गाने में बहुत सारे अनोखे शब्द हैं.

कुछ और बातें. गीत, गीतों का गीत, अन्य साहित्य की तरह, सामान्य प्रेम कविता शब्दावली से भरा हुआ है। अब, इससे हमारा क्या तात्पर्य है? खैर, अन्य बातों के अलावा, हम मिस्र, मेसोपोटामिया, बेबीलोनियन, बाइबिल सामग्री को देख रहे हैं।

शब्दों के कुछ सामान्य समूह दिखाई देते हैं। उदाहरण के लिए, पालतू जानवरों के नाम, लोमड़ी, चिकारा, प्रेमिका, बहन, दुल्हन, राजा, रानी। ये सामान्य नाम हैं और वे उन्हीं के माध्यम से चलते हैं।

गाने में वे भी हैं. लेकिन कुछ अन्य विशिष्ट बातें भी हैं जो इस प्रेम काव्य साहित्य में रुचिकर हैं। जानवरों के नाम हैं.

चिकारा, लोमड़ी, कबूतर, कछुआ कबूतर। साहित्य में इस प्रकार की बातें। बेबीलोन और मिस्र के साहित्य में हमें मिस्र और बेबीलोन के जानवर मिलते हैं।

गाने में हमारे पास फिलिस्तीन के जानवर हैं। वे सामान्य हैं क्योंकि वे जानवरों के नाम हैं, लेकिन वे साइट-विशिष्ट या स्थानीय-विशिष्ट हैं। उस तरह की बातें.

पौधों या फूलों के साथ भी हमारी यही बात है। मिस्र के साहित्य और बेबीलोन के साहित्य में आपको पपीरस रीड या कमल के फूल का उल्लेख मिलता है। बाइबिल सामग्री में, आपको शेरोन के गुलाब का संदर्भ मिलता है, जो एक बाइबिल शब्द है।

आपको फिर से पौधों के नाम मिलेंगे, लेकिन वे स्थानीय नाम हैं। यही चीज़ आपको गहनों, मसालों, पेड़ों के संग्रह से भी मिलती है। आप बाइबिल सामग्री में लेबनान के देवदारों के बारे में बात करते हैं।

आपको वे वाक्यांश गैर-बाइबिल प्रेम कविता में नहीं मिलते। तो, इस तरह की सामान्य शब्दावली है, लेकिन इसका कोई सार्वभौमिक स्वाद नहीं है। इसका स्थानीय स्वाद है.

और, निश्चिंदेह, आप बिल्कुल यही अपेक्षा करेंगे। प्रेम कवि जो हाथ में है उसका उपयोग करते हैं। इसलिए यदि आप मिस्र में हैं, तो आप मिस्र में मौजूद चीज़ों का उपयोग करेंगे।

पेपरिस पौधे और मगरमच्छ और दलदल। बेबीलोन में आप नदी और वहां के पौधों के बारे में बात करते हैं। इज़राइल में, आप रेगिस्तान के बारे में बात करते हैं।

आप पहाड़ों की बात करते हैं. आप एन-गेदी के झरनों के बारे में बात करते हैं। स्थानीय सामग्री जो कविताओं की शब्दावली को चिह्नित करती है।

शब्दावली में एक और तत्व एक बड़ी संख्या है, और यह, फिर से, बोर्ड भर में है, न कि केवल बाइबिल सामग्री में, जिसे हम दोहरे अर्थ वाले शब्द कहते हैं , ऐसे शब्द जिनके दोहरे अर्थ होते हैं। मेरी बहन, मेरी दुल्हन. खैर, शायद वह मेरी दुल्हन है।

वह निश्चित रूप से मेरी प्रेमिका है. वह मेरी दुल्हन बनने जा रही है, लेकिन वह रिश्ता है। यहाँ अनेक संदर्भ हैं।

हमने उनमें से कुछ को सातवें अध्याय में देखा, जहां उसकी गहनों जैसी गोल जांघें, एक मास्टर हाथ की कारीगरी, गोल कटोरे जैसी नाभि का वर्णन है। वह वास्तव में वहां क्या वर्णन कर रहा है? खैर, हम उस पर थोड़ी देर बाद गौर करेंगे, लेकिन यह काफी स्पष्ट और काफी विशिष्ट है। और यहां अर्थ छुपा हुआ नहीं है, बल्कि प्रच्छन्न है।

और हमें यहां ऐसे कई मामले मिले हैं। दरवाजे के छेद में हाथ डालने का उल्लेख मिलता है। उन सभी शब्दों में दोहरे अर्थ हैं।

जैसे ही हम इसमें उतरेंगे, हम उन पर वापस आएँगे। और फिर हिब्रू में तीन शब्द हैं जिनका उपयोग जानने के लिए किया जाता है। और वे यहां घटित होते हैं, और मुझे उन्हें विशेष रूप से बताने दीजिए, क्योंकि वे गीत और कुछ अन्य साहित्य दोनों में आते हैं।

जानने के लिए शब्द है, अर्थात् विवेक रखना, समझना। और गाने में लड़की अन्य लोगों को यह समझाने की कोशिश कर रही है कि उसके प्रेमी के बारे में उसका क्या मतलब है, ताकि वह जान सके कि उसका क्या मतलब है। उनमें से कुछ में यही विचार है।

एक और शब्द जो अक्सर प्रयोग किया जाता है वह है पहचानने या देखने का शब्द। पुराने नियम में यह काफी सामान्य है, और यह गीत में भी होता है। मेरे प्रियतम को देखो, अपनी दृष्टि उस पर रखो, या मेरे प्रेमी पर, उस पर दृष्टि लगाओ।

पुराने नियम में यौन संबंध के लिए उस शब्द का कभी भी उपयोग नहीं किया गया है। तीसरा शब्द है यदा, जिसका अर्थ है इंद्रियों या अनुभव से प्राप्त ज्ञान। जानना ही अनुभव करना है।

और वह विशेष रूप से यौन संबंध के लिए उपयोग किया जाता है। और गीत इस पुस्तक में उसका दो बार उपयोग करता है। अध्याय 1, श्लोक 7 में, तू मुझे बता कि मेरा प्राण किसे प्रेम रखता है, तू अपनी भेड़-बकरियों को कहां चराता है, और दोपहर को कहां बैठाता है।

मैं उस मनुष्य के समान क्यों हो जाऊं जो तेरे साथियों की भेड़-बकरियों के पीछे फिरता है? मुझे बताएं, मुझे बताएं कि यह कहां होना है। यहाँ इस शब्द में स्पष्ट रूप से दोहरा अर्थ है ।

फिर, अंततः इस खंड पर, पुराने नियम में प्रेम शब्द का उपयोग।

अब, आपने शायद सुना होगा कि यूनानियों के बीच तीन अलग-अलग शब्द थे, वास्तव में चार। अगापे शब्द का अर्थ है ईश्वरीय प्रेम, वह श्रेष्ठ प्रेम जिसके बारे में हम बात करते हैं। फिलिओ शब्द , जिसका अर्थ है भाईचारे का प्यार, भाईचारे के प्यार का शहर, फिलाडेल्फिया।

और इरोस शब्द, जिसमें आमतौर पर यौन अर्थ होते हैं। कामुक चौथे पद की तरह होगा। स्टारगेज़ सेप्टुआजेंट में होता है लेकिन न्यू टेस्टामेंट में नहीं होता है।

लेकिन इन शब्दों के अलग-अलग निहितार्थ हैं, और उनके साथ अलग-अलग अर्थ भी हैं। दुर्भाग्य से, हिब्रू में, केवल एक ही शब्द है, अहव । और इसका उपयोग इन तीनों के लिए किया जाता है।

वास्तव में, यदि आप पुराने नियम के ग्रीक अनुवाद को देखें, तो एक ही हिब्रू शब्द का अनुवाद सभी चार ग्रीक शब्दों द्वारा किया गया है। इसलिए, हिब्रू में, शब्दावली के संदर्भ में कामुक प्रेम, भाईचारा प्रेम या यौन प्रेम के बीच कोई अंतर नहीं है। वास्तविक अर्थ और उन्हें क्रियान्विति करने में निश्चित रूप से मतभेद हैं, लेकिन शब्दावली मौजूद है।

और इसलिए, जब आप पुराने नियम में प्रेम शब्द को आते हुए देखते हैं, तो आपको रुकना होगा और खुद से पूछना होगा कि लेखक किसे विशेष जोर को हमारे ध्यान में लाने की कोशिश कर रहा है? और फिर, यह शब्दावली की समस्या पर वापस जाता है। यह इस पर निर्भर है कि आप कैसे व्याख्या करते हैं, आप संदर्भ और उससे जुड़ी शब्दावली को कैसे समझते हैं। इसलिए, सोलोमन के गीत की शिक्षा को समझने में शब्दावली की समस्या बहुत महत्वपूर्ण है।

कुछ अन्य भी हैं. हम अगले दौर में उन तक पहुंचेंगे। यह गीतों के गीत पर डॉ. लॉयड कैर के चार व्याख्यानों में से दूसरा था।